प्रस्तावित प्रस्ताव
व्यापारी उद्यमी सम्मेलन
23 अगस्त 2025
समस्त व्यापारी उद्यमी संगठन

देश के व्यापारियों व उद्यमियों का यह नेतृत्व सम्मेलन देश मे एक राष्ट्र एक चुनाव का पुरज़ोर समर्थन करता है ।यह सम्मेलन यह मानता है कि विकसित भारत व विकसित अर्थव्यवस्था का रास्ता एक राष्ट्र एक चुनाव से होकर ही जाता है ।

GDP में बढ़ोतरी

यदि एक राष्ट्र एक चुनाव को लेकर देश आगे बढ़ता है , तो देश के GDP मे 1.5 % की बढ़ोतरी की सम्भावना आँकी गई हैं । आज भारत की 4.2 ट्रिलियन डॉलर की यानि 367 लाख करोड़ ₹ की , दुनिया की चौथे नंबर की अर्थव्यवस्था है । इस अर्थव्यवस्था में एक राष्ट्र एक चुनाव से 5.5 लाख करोड़ ₹ की अतिरिक्त बढ़ोतरी होगी । जिससे तेज़ी के साथ आगे बढ़ती हमारी भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व में तीसरा स्थान प्राप्त कर , मज़बूत आधार के साथ अपने विकसित और समृद्ध भारत के लक्ष्य की और तेज़ी के साथ आगे बढ़ेगी ।

खर्च में बचत

श्री रामनाथ कोविंद कमेटी का यह अनुमान है कि देश में चुनावों पर 4 लाख करोड़ ₹ से सात लाख करोड़ तक के अनुमानित खर्च आते है । यदि एक साथ चुनाव होते है, तो चुनावों खर्चो में एक तिहाई बचत हो सकती हैं । यदि हम 4.5 लाख करोड़ के अंदाज़ को भी लेकर चलें तो देश मे एक राष्ट्र एक चुनाव से 1.5 लाख करोड़ ₹ की बचत होगी । देश 15 राज्यों के अलग अलग बजट अभी 1.5 लाख करोड़ के आँकड़े को छू नहीं पाये है । यही राशि तेज़ी से विकास का इंजन बनेगी ।

समय की बचत

हर चौथे माह देश में कहीं ना कही चुनाव चला हुआ है । वर्तमान युग में ,समय सबसे बड़ी पूंजी है । बार बार की आचार संहिताओं से देश के विकास के कई पहिये 40 दिन के लिये ठहर जाते है । अलग अलग चुनाव से ये 80 दिन हो जाते हैं । यदि लोकसभा व विधानसभाओं के साथ चुनाव हो तो कम से कम 40 कार्यदिवस देश के विकास के लिये और खुले मिलेंगे । हमारी अर्थव्यवस्था अभी एक लाख करोड़ प्रतिदिन की गति पर है, यदि इन आँकड़ों पर भी आकलन करें तो यह पाँच वर्ष में 40 लाख करोड़ ₹ की बढ़ोतरी है और वार्षिक 8 लाख करोड़ ₹ की है ।

मानव संसाधन की बचत

मानव संसाधन सबसे अनमोल संसाधन हैं ।चुनाव में 1.5 करोड़ सरकारी कर्मचारी कम से कम 7 दिन के लिए चुनाव में लगते हैं इस प्रकार इन कर्मचारियों के 10.5 करोड़ कार्य दिवस दो बार के चुनाव से दो बार समर्पित होते है । एक साथ चुनाव से कार्यशील जनसंख्या के 10.5 करोड़ कार्य दिवस बचा सकते हैं ।

यदि भिन्न भिन्न दलो के कार्यकर्ताओं के समय का आकलन करें तो यह इन कर्मचारियों से तीन गुणा संख्या मे व चार गुना अधिक समय मे -यानि चार सप्ताह लगता हैं । दलों के कार्यकर्ताओं के 126 करोड़ मानव कार्यदिवस दिवस चुनाव में अतिरिक्त लगने से बचेंगे । दोनों को जोड़ें तो अभी 136.5 करोड़ मानव कार्य दिवस, कार्यशील जनसंख्या के दिन अतिरिक्त लग रहे है एक कार्यशील व्यक्ति की उत्पादन क्षमता यानि कुल GDP को वर्ष 365 दिन व 60 करोड़ कार्यरत जनसंख्या से विभाजित करे तो 1600 ₹ प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन है । यदि 136.5 करोड़ कार्य दिवस कार्यरत जनसंख्या के किसी अतिरिक्त जगह लगेंगे तो 2 लाख 18 हज़ार 4 सौ करोड़ की अतिरिक्त पूंजी उत्पन करेंगे ।

राजनैतिक स्थिरता विकास का इंजन

पाँच वर्ष में एक बार चुनाव देश राजनीतिक स्थिरता उत्पन्न करेंगे । बार बार के चुनाव से बदलते समीकरण से राजनीति अनिश्चितता का वातावरण उत्पन्न करते है । लोकतंत्र में राजनीतिक स्थिरता ही विकास की गारंटी है । एक बार चुनाव देश की समृद्धि के लिये आवश्यक हैं ।

पूंजीगत बजट बढ़ेगा

बार बार के चुनाव लोकप्रिय घोषणापत्र बनाने व उन्हें पूरे करने दबाव का कारण बनते है, कितने ही राज्य उनको पूरा करते करते अपना प्री फिक्शड बजट बढ़ाते जाते हैं जिसका असर विकास पर खर्च होने वाले पूंजीगत बजट पर पड़ता हैं । पूँजीगत बजट देश प्रदेश के विकास इंजन बनता है । यह पैसे के चक्र को छह बार घुमाता है । रेवेन्यू या फिक्स्ड बजट दो बार ही घुमा पाता है। एक राष्ट्र एक एक चुनाव से देश की अर्थव्यवस्था का पहिया तेज़ी से घूमेगा ।

व्यापारियों को लाभ

व्यक्तिगत या सामूहिक रूप से जब आचारसंहिताऔं से देश प्रदेश के कामों का पहिया रुकता है तब अधिकांश व्यापारी वर्ग के काम का पहिया भी रूक जाता हैं । बार बार के चुनाव व्यापारी भाइयों के व्यक्तिगत सामूहिक नुक़सान भी कारण बनते है । बार बार चुनावी चंदे भी एक लोकतंत्र की हकीकत है, एक बार चुनाव एक बार सहयोग से एक अच्छी परम्परा को विकसित होगी ।

संकल्प

व्यापारी देश की अर्थव्यवस्था का इंजन है, तेज़ी से विकास हमारा सबका संकल्प है । एक राष्ट्र एक चुनाव उसका प्रबल माध्यम है । देश के सभी व्यापारी उद्यमी भाई व संगठन एक मत से इसका समर्थन करते है । हम देश व्यापी जनजागरण का संकल्प लेते है । हर राज्य में हर जिले इसी प्रकार व्यापारी उद्यमी सम्मेलन करेंगे । राज्य , जिला व स्थानीय स्तर के हर व्यापारी उद्यमी संगठन व व्यापारी उद्यमी भाइयों को जोड़ेंगे व एक राष्ट्र एक चुनाव के संकल्प को सफल करके ही दम लेंगे ।

व्यापारी बोले - एक राष्ट्र एक चुनाव
उद्यमी बोले - एक राष्ट्र एक चुनाव
व्यापारी उद्यमी एकता ज़िंदाबाद
भारत माता की जय